आज का सुविचार

आत्मविश्वास से हम किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं। खुद पर विश्वास हमे की ओर ले जाता है।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है।

संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 41 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 15 नवंबर 2024 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

बौद्ध एवं सिख सहित अल्पसंख्यकों की भाषा और संस्कृति की रक्षा कौन करता है- Fundamental Rights

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29 में बताया था कि कोई भी बहुसंख्यक भाषी, लिपि एवं संस्कृति बोलने वाले लोग चाहे वह किसी भी वर्ग, जाति, समाज में अलग-अलग निवास करते हैं अपनी भाषा, लिखावट एवं संस्कृति की रक्षा का मौलिक अधिकार प्राप्त है। इसी प्रकार बहुत से अल्प-धर्मो, एवं अल्प-भाषाओं को बोलने वाले बहुत से अल्पसंख्यक व्यक्ति भारत में निवास करते हैं उनको अपने धर्म एवं भाषा की रक्षा के लिए भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार प्राप्त है जानिए।

युवा प्रदेश समाचार पत्र

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 का अनुच्छेद 30 की परिभाषा: अनुच्छेद 30 भारत के सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी रुचि के अनुसार शिक्षा स्थापना एवं शिक्षा प्रबंध का अधिकार प्रदान करता है एवं अधिकार उन्हीं अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को प्राप्त है जो धर्म एवं भाषा पर आधारित हैं।

नोट- 1992 के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम की धारा 2(C) के अनुसार 23 अक्टूबर, 1993 को सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में पाँच समुदायों मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, पारसी तथा बौद्ध को अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में मान्यता दी गई। 2014 में जैन समुदाय को भी अल्पसंख्यक की श्रेणी में शामिल किया गया।

SC-ST जनप्रतिनिधि को धमका कर काम करवाना कितना गंभीर अपराध है पढ़िए trocities Act

आरक्षण की प्रक्रिया के बाद चुनाव जीतकर आए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के जनप्रतिनिधियों को भी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निरोधक) अधिनियम, 1989 विशेष संरक्षण प्रदान किया गया है। यदि कोई व्यक्ति इन्हें डरा धमकाकर या लालच देकर कोई काम करवाता है तो ऐसे व्यक्ति को 5 साल जेल की सजा सुनाई जा सकती है।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(1) (ड) की परिभाषा- वह व्यक्ति जो अनुसूचित जाति एवं जनजाति का सदस्य नहीं है वह ऐसे वर्ग के व्यक्ति को जो संविधान के भाग 9 के अधीन पंचायत एवं संविधान के भाग 9क के अधीन नगरपालिका-नगरपरिषद का सदस्य (पार्षद, सरपंच, ग्राम प्रधान आदि) या अध्यक्ष पद धारक है। उसे उसके सामान्य कर्तव्यों, कार्यों के रोक डालेगा या कोई लालच देकर जबर्दस्ती कार्य करवाएगा या उसे धमकी देकर किसी भी प्रकार से मजबूर करेगा। तब ऐसा करने वाला व्यक्ति धारा 3(1) (ड) के अंतर्गत दोषी होगा।

सजा का प्रावधान-

धारा 3(1) (ड) के अपराध का विचारण जिला विशेष न्यायालय द्वारा किया जाएगा, यह संज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध होते हैं। इस धारा के अपराध के लिए अधिकतम पाँच वर्ष की सजा एवं जुर्माना से दण्डित किया जा सकता है।

पीड़ित व्यक्ति को राहत राशि -

अनुसूचित जाति और जनजाति(अत्याचार निवारण) नियम,1995 नियम 12(4) के अनुसार इस अपराध के अंतर्गत पीड़ित व्यक्ति को राज्य शासन द्वारा पचासी हजार रुपये की आर्थिक सहायता(संदाय) दी जाती है। यह राशि जिला कलेक्टर या स्थरूया जिला संयोजक अनुसूचित जाति एवं जनजाति कार्यालय द्वारा स्वीकृत होती है।

- लेखक बी. आर. अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरू नानक जयंती पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरू नानक जयंती की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरू नानक जी का जीवन समाज को एकता, सदभाव और शांति कायम करने के साथ मानवता की मूल सिद्धांतों, करूणा और न्याय की ओर ले जाता है। उनके उद्देश्यों को हम सभी को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। इससे समाज के बेहतर भविष्य का निर्माण होगा।

लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिये महा-अभियान 15 नवम्बर से - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के 55 जिलों में राजस्व के खसरे और नामांतरण आदि के जो प्रकरण अटके हुए हैं, उनके निराकरण के लिये 15 नवम्बर से महा-अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने कहा है कि इसके पहले भी अभियान चलाकर राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया था। इस दौरान लगभग 80 लाख राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया था। खासकर के अविवादित नामांतरण के 20 लाख 46 हजार 635 प्रकरणों में से 18 लाख 20 हजार प्रकरणों का निराकरण किया गया था। अभी लगभग 2 लाख 26 हजार 364 प्रकरण लंबित हैं। राजस्व महा-अभियान के माध्यम से बड़े पैमाने पर लोगों को राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों और सभी हितग्राहियों के लिये सभी प्रकार की सुव्यवस्था चाहती है।

साहसी श्री वारिस खान मध्यप्रदेश का गौरवः मुख्यमंत्री

●मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री वारिस को एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजगढ़ जिले के ब्यावरा निवासी प्लंबर श्री वारिस खान को एबी रोड हाई-वे पर कार पलटने की घटना में शिवपुरी के परिवार के सात लोगों की जान बचाने पर एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कॉल के माध्यम से श्री वारिस से बात की और उसकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने कहा कि आप मध्यप्रदेश के गौरव हैं। श्री वारिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि वह बाइक से बीनागंज जा रहे थे, तभी सामने आ रही कार दुर्घटनावश खंती में गिर गई। मैंने बिना देरी किये अपने हाथों से कार के कांच तोड़े और एक-एक कर के सभी यात्रियों को बाहर निकाला। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री वारिस के इस साहसी कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्री वारिस आपने बहुत अच्छा कार्य किया है। मुसीबत के समय में एक दूसरे की सहायता करना ही सच्ची मानवता है। आपके इस कार्य से सभी लोगों को प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स को 15 अगस्त के अवसर पर लोगों की मदद करने वाले साहसी लोगों को सम्मानित करने के निर्देश दिए।

भोपाल को झुग्गी मुक्त बनाने के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

भोपाल। शहर को झुग्गी मुक्त बनाने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए आज कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्लम रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम के तहत नागरिकों को पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए रणनीतियों पर चर्चा की गई। नगर निगम ने भोपाल जिले की झुग्गियों का चिन्हांकन करने और सर्वेक्षण कार्य के लिए जिले को 9 कलस्टरों में विभाजित करने की योजना बनाई है। प्रथम चरण में वल्लभ भवन के आसपास की झुग्गियों का सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। इन झुग्गियों के निवासियों को पीपीपी मॉडल के तहत पक्के मकान प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही सुराज अभियान और रिडेंसीफिकेशन नीति के तहत आवासीय परियोजनाओं में मॉल, कमर्शियल कॉम्पलेक्स और प्राइम डेवलेपमेंट कार्य भी किए जाएंगे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रथम चरण में निर्माण कार्य की कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ की जाये। इसके लिए डीपीआर, डिजाइन, प्लानिंग पॉलिसी, एस्टीमेट और टेंडर की शर्तें एवं सभी तैयारियां एक सप्ताह के भीतर पूरी की जाएंगी। झुग्गियों के चिन्हांकन और सर्वेक्षण कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू कर दिया गया है। कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायण, सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि भोपाल जिले को स्लम फ्री बनाने के लिए विस्तृत योजना तैयार करें और तेजी से कार्यवाही करें। नगर निगम को एक सप्ताह के भीतर टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर साधिकार समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सभी एसडीएम, नगरीय प्रशासन के इंजीनियर और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सरोजिनी नायडू कन्या महाविद्यालय, भोपाल में 'हुनर से हौसला' युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल में गुरूवार को 'हुनर से हौसला' युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संचालक जनसम्पर्क श्री अंशुल गुप्ता माध्यम, शिक्षाविद व उद्यमी डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी और पर्वतारोही श्रीमती ज्योति रात्रे मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि श्री अंशुल गुप्ता ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि खुद को कभी भी किसी से कम न समझें और उपलब्ध संसाधनों का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि हर व्यक्ति के भीतर हुनर छुपा होता है, जिसे सतत अभ्यास और मेहनत से निखारा जा सकता है। उन्होंने छात्राओं को अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा दी। पर्वतारोही श्रीमती ज्योति रात्रे ने 55 वर्ष की उम्र में पर्वतारोहण करने के अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा करते हुए कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में अपनी ऊंचाइयां होती हैं, जिन्हें दृढ़ निश्चय से हासिल किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्रों को अपने आशीर्वचनों के साथ कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

अजाक्स जिला अध्यक्ष जी एल बरगले जी को दी श्रद्धांजलि

रायसेन। बाड़ी नगर के जाने माने अजाक्स जिला अध्यक्ष जी एल बरगले जी का बीते 6 नवम्बर को स्वर्गवास हो गया था, जिन की गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया द्य स्वर्गीय श्री बरगले जी की श्रध्दांजली सभा में उपस्थित होकर अहिरवार समाज संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश अहिरवार जी उपाध्यक्ष भाव सिंह मंडरे, प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती संगीता गोलियां जी प्रदेश संगठक गोपीलाल अहिरवार, संभाग उपाध्यक्ष भैरों सिंह, भोपाल संभाग सचिव विनोद बड़ोदिया, रायसेन जिला उपाध्यक्ष गोटीराम बघेल सहित अनेक समाज बंधुओं ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके साथ ही बरगले परिवारजनों को सांत्वना दी।

अजाक्स चला गांव की ओर जुड़ें सभी

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

सतना - मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ(अजाक्स) सतना के ब्लॉक इकाई रामपुर बाघेलान सोनौरा में प्रांतीय अभियान अजाक्स चला गांव की ओर कार्यक्रम के तहत आज दिनांक 10/11/2024 को ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार प्रजापति राजगुरू जी के नेतृत्व में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रामकलेश साकेत जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में कोषाध्यक्ष जवाहर लाल साकेत जी, जिला सचिव राजकुमार चौधरी जी, रेखा साकेत जी,रघुराजनगर तहसील अध्यक्ष विनीता आर्य जी, साथ ही सभी कर्मचारी व सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति के साथ ही मंच का संचालन राजकुमार प्रजापति जी द्वारा किया। जिसमे आदरणीय जिला अध्यक्ष महोदय जी ने बताया कि अजाक्स अधिकारी कर्मचारी के साथ साथ सामाजिक मुद्दों व शिक्षा के साथ अजाक्स के सदस्यता अभियान, ब्लाक कार्यकारिणी का गठन एवं ब्लाक स्तर पर कोचिंग संचालन एवं अजाक्स संघ को हर स्तर से मजबूत करने हेतु चर्चा की गई। कार्यक्रम में शामिल प्रेमलाल दिनकर स्वच्छ शिपुरवा,सुदामा रवि,रामसुफल रवि,मनसुखलाल,दिनेश,भदई, गोकुल प्रसाद,रामसजीवन,श्यामकली रवि,सुभद्रा, सीता प्रजापति, सुधा रवि आशा कार्यकर्ता, सोनम रवि, विनोद प्रजापति,अतुल , सुखलाल ,अमृतलाल साकैत,मनोज रवि, नाथूलाल,संजीव रवि, जुल्फी लाल नट,पवन कोल आदि सैकड़ों लोगों की उपस्थिति रही।

अमरकंटक के नर्मदा तट के रामघाट पर की गई महाआरती

देवउठनी एकादशी पर 11 हजार दीप प्रज्वलित कर मनाया गया दीप उत्सव

अनूप कुमार गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। जिले के अमरकंटक में प्रथम बार संतो द्वारा ग्यारह हजार दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव पर्व मनाया जिसके मुख्य यजमान कलेक्टर हर्षल पंचोली परिवार सहित शामिल होकर दीप प्रज्वलित किया। दीपोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत भजन कीर्तन के बाद स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, यजमान द्वारा दीप प्रज्वलित, काशी के ब्राम्हणों द्वारा महाआरती की गई। संत मंडल अध्यक्ष द्वारा आशीर्वचन, आतिशबाजी की गई। समाप्ति उपरांत प्रसाद वितरण हुआ। अमरकंटक संत मंडल के पदाधिकारियों ने देव उठनी एकादशी पर्व पर नर्मदा तट के रामघाट के दोनो तटों दीप जलाकर दीपदान कर महाआरती की गई। दोनो तटो पर लाइटिंग, झालर से पूरा तट के साथ सड़क और घाटों पर भव्य लाइटिंग से रोशनी प्रकाशित रहीं। नर्मदा के दोनो तटो पर व्यवस्था कायम रखने हेतु टोलियां बनाकर सेवा कार्य पर तैनात किया गया। घाटों को रंगोली से सजाया गया। सैकड़ों वालेंटियरों ने खास टीशर्ट पहने नजर आएं। जो ग्यारह हजार दीप प्रज्वलित करने में मदद की गई। संत मंडल के आह्वान पर जनमानस समय पर पहुंच कर दीपोत्सव पर्व, मां नर्मदा की महाआरती में सम्मिलित कर जीवन पवित्र और पुण्यदायी बनाया।

चलाया स्वच्छता अभियान

पवित्र अमरकंटक, निर्मल नर्मदा का संदेश जन जन तक पहुंचे अमरकंटक संत मंडल के तत्वाधान में एक दिवसीय देवउठनी एकादशी पूर्व सोमवार को अमरकंटक के सभी संत महात्मा और भक्तजन सोमवार को प्रातः 8 बजे से नर्मदा तट रामघाट उत्तर और दक्षिण तटो पर स्वच्छता अभियान चला कर स्वच्छ अमरकंटक का संदेश देते हुए स्वच्छ बनाए रखने में शासन प्रशासन के निर्देशों का पालन की गई। कार्यक्रम में अमरकंटक संत मंडल के संरक्षक स्वामी नर्मदानंद महाराज, स्वामी हिमांद्री मुनि महाराज, स्वामी जगदीशानंद महाराज, संत मंडल अध्यक्ष श्रीमहंत रामभूषण दास महाराज, उपाध्यक्ष स्वामी महेश चैतन्य महाराज, सचिव स्वामी लवलीन महाराज, स्वामी राजेश , स्वामी रामानंद , प्रवीण ब्रम्हचारी , स्वामी अखिलेश्वर दास , फलाहारी आश्रम से उपाध्याय, मृत्युंजय आश्रम से योगेश दुबे, मारकंडेय आश्रम से शास्त्री रामनरेश, शिव खेरवार, उमाशंकर पांडेय, श्रवण उपाध्याय के साथ अन्य लोग शामिल रहे।

सराहनीय कार्य

आज दिनांक 12.11.2024 को श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा महोदय द्वारा मिशन शक्ति अभियान फेज- 5 में सराहनीय कार्य करने वाली श्रीमती पूजा यादव नेशनल सोलो राइडर (नेशनल सेफ्टी एम्बेसडर एंड राईड) कोर्डिनेटर ट्रैक्स रोड़ सेफ्टी एनजीओ दिल्ली और श्रीमती मांडवी राठौर लेक्चरर अमर नाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज डिपार्टमेन्ट ऑफ हिस्ट्री, सेक्रेटरी व्हाइट फ्रेम थियेटर मथुरा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये । इनके द्वारा जनपद मथुरा में महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं एवं मुद्दों पर समझ बनाना व घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, पॉक्सो, बाल विवाह प्रतिषेध व महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध प्रमुख अपराधों की जानकारी देकर प्रचार प्रसार कर जागरूक किया गया ।

मिनी ट्रक पेड़ से टकराया, व्यापारी की मौत और चालक गंभीर; सिंगरौली से टमाटर लेने शहडोल आ रहे थे

रिपोर्ट = राजू राय

शहडोल में टमाटर लेने आ रहा एक मिनी ट्रक पेड़ से टकरा गया, हादसे में व्यापारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक को गंभीर चोटें आई हैं। घटना गुरुवार तड़के सीधी-शहडोल मार्ग के साखी मेन रोड पर हुई। सूचना पर ब्यौहारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। बताया गया कि मिनी ट्रक खाली कैरेट लेकर सिंगरौली से शहडोल टमाटर लेने आ रहा था। ट्रक में चालक नीरज मिश्रा और टमाटर व्यापारी राहुल शाह सवार थे। हादसे में व्यापारी राहुल शाह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक नीरज मिश्रा को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार, वाहन साखी मेन रोड पर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गया, जिससे व्यापारी की जान चली गई। स्थानीय लोगों के अनुसार वाहन काफी तेज रफ्तार में था और चालक ने उस पर से नियंत्रण खो दिया। इस वजह से ट्रक सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। दुर्घटना में व्यापारी वाहन में फंसा रह गया, जबकि चालक को स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला और अस्पताल भेजा। हादसे में व्यापारी की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी डायल 100 और थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि सिंगरौली से शहडोल टमाटर लेने आ रहा वाहन सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया, जिसमें टमाटर व्यापारी की मौत हो गई और चालक को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है, चालक का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

खुशियों की दास्ता

पीएम जनमन योजना के तहत बाल्मीक बैगा को मिला पक्का आवास

शहडोल। प्रधानमंत्री जनमन योजना का उद्देश्य हर गरीब परिवार को पक्का घर प्रदान करना है, ताकि वे बुनियादी सुविधाओं से लैस हो सकें और उनका जीवन स्तर बेहतर हो सके। यह योजना देशभर में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में लागू की जा रही है और इसके तहत पात्र लोगों को लाभ दिया जा रहा है। इसी कड़ी में शहडोल जिले के जनपद पंचायत बुढार के ग्राम मजीरा निवासी श्री बाल्मीक बैगा को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पक्का आवास मिला है। पक्का आवास मिलने के बाद श्री बाल्मीक बैगा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद हेतु कहा कि अब मै अपने परिवार के साथ सुरक्षित और बेहतर तरीके से जीवन जी सकूंगा। उन्होंने कहा कि पहले अस्थायी और कमजोर आवासों में रहने की वजह से कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब पक्का घर मिलने से जीवन स्तर सुधर गया है।

रिक्त पंच पदों के लिए नाम निर्देशन की कार्यवाही 18 नवंबर से

शहडोल। उप जिला निर्वाचन अधिकारी जिला शहडोल ने जानकारी दी है कि म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत उपनिर्वाचन 2024 उत्तरार्द्ध के लिये दिनांक 07/11/2024 को कार्यक्रम प्रसारित किया गया है। जिलांतर्गत जनपद पंचायतों में रिक्त पंच पद के लिये नामनिर्देशन की कार्यवाही 18/11/2024 से की जायेगी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन कार्यक्रम घोषणा के साथ ही संबंधित ग्राम पंचायतों के निर्वाचन क्षेत्र/वार्ड जहाँ निर्वाचन होना है। आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है, जो निर्वाचन परिणाम की घोषणा की तिथि तक प्रभावशील रहेगी।

15 नवंबर से 15 दिसंबर तक चलाया जाएगा राजस्व महा अभियान

शहडोल। राजस्व महा-अभियान प्रथम चरण (जनवरी- मार्च 2024) एवं द्वितीय चरण (18 जुलाई 2024 से 31 अगस्त 2024) की सफलता को देखते हुए, मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार राजस्व विभाग के राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक करने हेतु राजस्व महा-अभियान 3.0 का आयोजन 15 नवंबर 2024 से 15 दिसंबर 2024 तक किए जाने का निर्णय लिया गया है। अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालयों (आरसीएमएस) में लम्बित प्रकरणों (नामांतरण, बँटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन) का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराना, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान का सैचुरेशन, आधार का आरओआर से लिंकिंग, परम्परागत रास्तों का चिन्हांकन, फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन है। अभियान के तहत नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्तगी, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, सीमांकन, नक्शें में बटांकन की कार्यवाही की जाएगी ।

15 नवम्बर को मुख्यमंत्री के शहडोल आगमन पर पत्रकार विकास परिषद विरोध प्रदर्शन कर देगा ज्ञापन

शहडोल। भाजपा अपने शासन काल में भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस के संकल्प पर कार्य कर रही है, क्या इस तरह कार्य करेगी ? बड़ा सवाल सिविल सर्जन को अभयदान आखिर क्यों दिया जा रहा ? चुनौती बने डा. जी. एस. परिहार, सिविल सर्जन, कुशा भाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय शहडोल शासकीय अस्पताल में तुगलकी फरमान, डा. जी. एस. परिहार, सिविल सर्जन, ने अधिमान्य सहित अन्य पत्रकारों को अस्पताल में कवरेज करने से किया प्रतिबंधित ? देश के चौथे स्थम्भ को कुचलने की कुचेस्टा की गई ? वही जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधि मौन ?

विजन डॉक्यूमेंट / 2047 होगा विकसित मध्यप्रदेश का आधार - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवम्बर को, धार और शहडोल में होंगे राज्य स्तरीय कार्यक्रम

- **शहरी विकास और प्लानिंग पर मंत्रीगण दें अपने सुझाव**
- **मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में वंदे-मातरम गान के साथ आरंभ हुई मंत्रि-परिषद की बैठक**
- **मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक से पहले किया सदस्यों को संबोधित**

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विजन डॉक्यूमेंट / 2047 विकसित मध्यप्रदेश का आधार होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने के उद्देश्य से श्विकसित मध्यप्रदेश / 2047 विज़न डॉक्यूमेंटश् तैयार किया जा रहा है। पिछले सप्ताह इस संबंध में नीति आयोग के सीईओ श्री बी.वी. आर. सुब्रमण्यम ने राज्य के प्रमुख अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को अपने-अपने विभागों में विजन डॉक्यूमेंट की तैयारी की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी तीन माह में डॉक्यूमेंट का प्रारूप मंत्रि-परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में वंदे-मातरम् के गान साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद के सहयोगियों को प्रदेश में शहरी विकास और शहरी प्लानिंग के संबंध में अपने सुझाव नगरीय विकास एवं आवास विभाग से साझा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रदेश के शहरों को झुग्गी मुक्त किए जाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी सहित अन्य घटकों में कार्य जारी है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में 9 लाख 50 हजार हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा सितम्बर 2024 में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 लागू की गई,?जिसमें पहले की तरह स्वयं की भूमि पर 2 लाख 50 हजार रूपए तक का अनुदान प्राप्त करना प्रमुख घटक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाने वाली भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर धार और शहडोल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होंगे,?जिन्हें प्रधानमंत्री श्री मोदी वर्चुअली संबोधित करेंगे।

दो लाख से अधिक फँसे हुए भारतीयों को देश मैं वापस लाने का कार्य कर चुकी है डॉ. आरती कृष्णा

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस की इंचार्ज,कर्नाटक सरकार के एनआरआई फोरम की उपाध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी की विदेश मामलों की सचिव डॉ. आरती कृष्णा का 11 नवंबर 2024 सोमवार दुबई यूएई में आगमन हुआ। भारतीय सांस्कृतिक केंद्र दुबई की समीक्षा और ब्रांड-लोगो का विमोचन उनके द्वारा किया गया। स्वागत समारोह मैं भोपाल के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता तलहा आरिफ़ सक्रिय रहे। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ ओवरसीज़ कांग्रेसी नजम तोहिद ने की, तेलंगाना प्रदेश के वरिष्ठ समाज सेवक एस वी रैड्डी, कर्नाटक से शिवा, उत्तर प्रदेश से आदिल अखूतर, केरल के युवा नेता शिहाब एवं आंध्र प्रदेश के ओवरसीज़ कांग्रेस के प्रभारी सादथ सौदागर एवम् वरिष्ट अप्रवासी जाफ़र भाई की मुख्य भूमिका रही।डॉ. आरती कृष्णा ने अप्रवासी भारतीयों के प्रति किये गए कार्यों में अपना अंतरराष्ट्रीय अनुभव साँझा किया, अभी तक वह दो लाख लोगो से अधिक विश्व भर में फँसे हुए भारतीयों को देश मैं वापस लाने का कार्य कर चुकी है, यूक्रेन युध, यमन युध, कोरोना काल मैं वन्देभारत जैसी सेवाओ के माध्यम से अनेक लोगो की मदद की। कार्यक्रम के अध्यक्ष नजम जी ने इंडियन कल्चरल सेंट्रल का संक्षेप में परिचय करवाया और सभी इंडियन डायासपोरा के लोगो से सहयोग का अहवान किया। अंत में मध्य प्रदेश से तलहा आरिफ़ ने डॉ. आरती कृष्णा का आभार व्यक्त किया, उनके अनुभवी नेतृत्व क्षमता और विदेश नीति के गहन ज्ञान का हमें लाभ मिलेगा इसकी उम्मीद जतायी, डॉ. आरती का आगमन सभी इंडियंस के लिए सौभाग्य की बात है और कांग्रेस कार्यकर्ताओं मैं उत्साह व जोश का संचार है।

चांदी का वर्क महंगा होता है,इसलिए मुनाफा कमाने कई दुकानदार मिठाइयों पर करते हैं एल्युमिनियम वर्क का इस्तेमाल

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

त्यौहारी सीजन समाप्त होने के साथ ही वैवाहिक समारोह चालू हो जाते हैं। इसके साथ ही मिठाई की खपत भी लगातार होती है । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बाजार में मिठाइयों में मिलावट की खबरें भी आ रही है। कुछ लोग ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं । ये बड़ी ही गंभीर बात है कि आजकल मिठाईयों पर सजावट के लिए जो चमचमाता वर्क लगा रहता है वह एल्यूमीनियम का भी हो सकता है। जो कि सेहत के लिए बहुत ही घातक होता है । हां, कुछ मिठाइयों पर चांदी के बजाय एल्युमिनियम का वर्क लगाया जाता है । ये बहुत ही कम लोग जानते हैं । यह सोचने वाली बात है कि कोई एक लाख रुपए प्रति किलो वाली चांदी का वर्क मिठाई पर लगा कर देगा। एल्युमिनियम का वर्क लगी मिठाई खाने से सेहत को कई तरह के गंभीर नुकसान हो सकते हैं। एल्युमिनियम का वर्क खाने से शरीर में हानिकारक केमिकल पहुंच सकते हैं।इससे लिवर और किडनी को नुकसान हो सकता है। एल्युमिनियम से

प्रतिकात्मक चित्र

एग्ज़िमा, अल्ज़ाइमर, अल्सर, और कैंसर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। बच्चों के मानसिक विकास पर भी असर पड़ सकता है। एल्युमिनियम और चांदी के वर्क में अंतर आसानी से किया जा सकता है।ध्यान से देखें एल्युमिनियम वर्क सफ़ेद-ग्रे रंग का होता है और हाइड्रोक्लोरिक एसिड में आसानी से घुल जाता है वहीं, चांदी का वर्क नहीं घुलता।एल्युमिनियम वर्क लंबे समय तक चमकदार रहता है। वहीं, चांदी हवा के संपर्क में आने पर ऑक्सीकृत हो जाती है और हल्की लाल हो जाती है। चांदी का असली वर्क दिमाग की नसों को आराम देता है और ये सेहत के लिए फायदेमंद होता है। डॉक्टर की राय है कि मिठाइयों पर एल्युमिनियम के वर्क का इस्तेमाल करने से एक्यूट गैस्ट्राइटिस, गंभीर डायरिया, पेचिश, डिहाइड्रेशन और किडनी में सूजन तक हो सकता है। चांदी का वर्क महंगा होने की वजह से कई दुकानदार एल्युमिनियम का वर्क इस्तेमाल करते हैं। आप बिना वर्क के मिठाई ही खरीदें। इसलिए देख परख कर समझदारी से मिठाई खरीदें। बाज़ार मौजूद इस प्रकार के खाद्य सामग्री से हमें सावधान रहने की जरूरत है ।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित होंगे पारंपरिक कार्यक्रम, लगाई जाएगी विभागों द्वारा प्रदर्शनी

- **राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर शहडोल में करेंगे 229.66 करोड़ रूपये का विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण**

शहडोल। माननीय राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर शहडोल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान 229.66 करोड़ रूपये की लागत से 76 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। जिसमें 68.15 करोड़ रूपये की लागत से 33 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 161.51 करोड़ रूपये की लागत के 43 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। साथ ही 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर शहडोल में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित भी करेंगे एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे गुदुम्ब, शैला नृत्य, करमा जैसे अन्य पारंपरिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएगी व महिला बाल विकास विभाग, वन विभाग, शिक्षा एवं ट्रायबल विभाग, आजीविका मिशन, हथकरघा विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को हुए सेवा निवृत्त,जानें कौन से थे न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ के लिए कुछ मुख्य जजमेंट

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

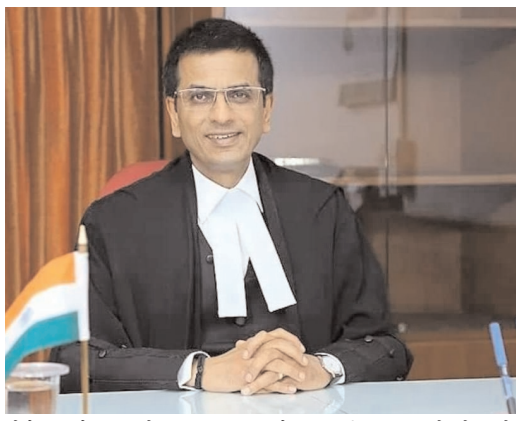

भारत के 50 वें मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को अपने पद से रिटायर हो गए। उनके दो साल के कार्यकाल के बाद न्यायमूर्ति संजीव खन्ना अगले ष्ट्छद्ध होंगे। इससे पहले शुक्रवार को अपने आखिरी वर्किंग डे पर भी न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ कामकाज करते रहे और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से जुड़े एक अहम मामले में सात न्यायाधीशों की संविधान की अगुवाई की। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 9 नवंबर 2022 को भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी और 10 नवंबर 2024 को पद से रिटायर हो गए।न्यायाधीश धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ का जन्म 11 नवंबर 1959 को हुआ था। उनके पिता वाईवी चंद्रचूड़ भारत के 16 वें मुख्य न्यायाधीश थे। उनकी मां प्रभा चंद्रचूड़ ऑल इंडिया रेडियो की गायिका थीं। उन्होंने 1979 में दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से अर्थशास्त्र और गणित में डिग्री हासिल की, उसके बाद 1982 में दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय से कानून में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। एक अधिवक्ता के रूप में कार्य करते हुए, मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ 1988 से 1997 के बीच बॉम्बे विश्वविद्यालय में तुलनात्मक संवैधानिक कानून के विजिटिंग

प्रोफेसर के रूप में पद ग्रहण करके कानूनी शिक्षाविदों से जुड़े रहे। इसके अलावा, उन्हें भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में नियुक्त किया गया, जिस पद पर वे 29 मार्च, 2000 को बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने तक रहे। मुख्य न्यायाधीश के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान कई बड़े फैसले दिए हैं।जिसमें इलेक्टोरल बॉन्ड पर रोक से लेकर यूपी मदरसा बोर्ड एक्ट और अनुच्छेद 370 पर फैसला भी शामिल है। इसके अलावा वह अपने कार्यकाल के दौरान 23 संविधान पीठों का हिस्सा थे और इस दौरान उन्होंने 612 फैसले लिखे। इसी साल हुए लोकसभा चुनाव से ठीक पहले फरवरी में चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की अगुवाई में राजनीतिक पार्टियों को चंदे के लिए इस्तेमाल किए जा रहे इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर रोक लगा दी थी। इससे राजनीतिक दलों को इसके जरिए मिले चंदे का ब्योरा भी जनता के सामने आ गया। ष्ट्छद्ध चंद्रचूड़ ने यूपी मदरसा बोर्ड एक्ट-2004 को संवैधानिक घोषित कर दिया, इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने इस एक्ट को असंवैधानिक करार दिया था। साथ ही मदरसों में पढ़ने वाले सभी छात्रों का दाखिला सामान्य स्कूलों में करवाने का आदेश किया था। इस फैसले का यूपी के हजारों मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य पर असर पड़ेगा। ष्ट्छद्ध चंद्रचूड़ ने अविवाहित महिलाओं के अधिकारों का विस्तार करते हुए उन्हें मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (रूझक्क) अधिनियम के तहत 24 सप्ताह तक गर्भपात की अनुमति दी, जो कि विवाहित महिलाओं के समान है।सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में एक नियम को खत्म कर दिया, जिसके तहत 10-50 आयु वर्ग की लड़कियों और महिलाओं को केरल के सबरीमाला मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी।पाँच-न्यायाधीशों की पीठ का नेतृत्व करते हुए, मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अपने फैसले में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया। हालांकि, सर्वोच्च अदालत ने समलैंगिकों को बच्चा गोद लेने का अधिकार दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए को वैध करार दिया है। इस धारा के तहत साल 1966 से 1971 के बीच बांग्लादेश से आए लोगों को भारतीय नागरिकता दी जाती है। रिटायर मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन फेयरवेल स्पीच देते हुए अपनी सफलता के लिए अपने पिता को श्रेय देते हुए उनके बारे में कुछ प्रेरक किस्से साझा किए। मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि उनके पिता बहुत अनुशासित थे। हम सभी यहां यात्रियों की तरह हैं, जो कुछ समय के लिए आते हैं, अपना काम करते हैं और फिर चले जाते हैं।भारत के रिटायर मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ ने अपने विदाई समारोह के दौरान यह बात कही । अपने निडर और निष्पक्ष फैसलों के लिए देश उन्हें हमेशा याद रखेगा।

डीआरडीओ ने ओडिशा तट से लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण किया

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 12 नवंबर, 2024 को ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर से मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर से लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (एलआरएलएसीएम) का पहला उड़ान परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान, सभी उप-प्रणालियों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया और प्राथमिक मिशन उद्देश्यों को पूरा किया। उड़ान पथ की पूरी कवरेज सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्थानों पर आईटीआर द्वारा तैनात रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और टेलीमेट्री जैसे कई रेंज सेंसर द्वारा मिसाइल के प्रदर्शन की निगरानी की गई। मिसाइल ने वे पॉइंट नेविगेशन का उपयोग करके वांछित पथ का अनुसरण किया और विभिन्न ऊंचाइयों और गति पर उड़ान भरते हुए विभिन्न युद्धाभ्यास करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। मिसाइल बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी लैस है एलआरएलएसीएम को एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट इस्टैब्लिशमेंट, बेंगलुरु ने अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ विकसित किया है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, हैदराबाद और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु एलआरएलएसीएम के लिए दो विकास-सह-उत्पादन-साझेदार हैं और वे मिसाइल विकास और एकीकरण में लगे हुए हैं। परीक्षण को विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ-साथ तीनों सेनाओं के प्रतिनिधियों, सिस्टम के उपयोगकर्ताओं ने देखा। एलआरएलएसीएम को परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया है, यह रक्षा अधिग्रहण स्वीकृति की आवश्यकता से स्वीकृत, मिशन मोड परियोजना है। इसे मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर का उपयोग करके जमीन से लॉन्च करने के लिए और यूनिवर्सल वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल सिस्टम का उपयोग करके फ्रंटलाइन जहाजों से भी लॉन्च करने के लिए कॉन्फ़िगर किया गया है।

माननीय राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री 2087.26 लाख रूपये का करेंगे हितलाभ वितरण

शहडोल। प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर शहडोल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभान्वित हितग्राहियों को 2087.26 लाख रूपये का हितलाभ का वितरण करेंगे जिसमें हितग्राहियों को मसूर किट वितरण, पीएम किसान, सीएम किसान, आहार अनुदान, निःशुल्क साइकिल वितरण, मोटराईज्ड ट्रायसाइकिल, सीसीएल (कैस क्रेडिट लिमिट), मुद्रा लोन, आयुष्मान कार्ड़, वन धन योजना आदि शामिल है।

शिव मारुति युवा संगठन सामतपुर ने 3 घंटे का रेस्क्यू कर गाय को सेप्टी टैंक से बाहर निकाला ।

जब तक रहेगा दम तब तक गोवंश की सेवा करेंगे हम : बृजेश राठौर

अनूपपुर । कहते हैं की मेहनत करने वालों की हार नहीं होती उसी क्रम में निरंतर शिव मारुति युवा संगठन सामतपुर हर बेसहारा जीवो को सहारा देती चली आ रही है। अब तक यह संगठन के गौ सेवको द्वारा लगभग 300 प्लस गौवंशो का उपचार कर के उन्हें पुनः जन्म दिया गया है।शिव मारुति युवा संगठन द्वारा संचालित गौ सेवा सदन में सड़क दुर्घटना में घायल,बीमारग्रस्त, निराश्रित गौ वंशों का निःशुल्क उपचार किया जा रहा है।गौ वंशो के लिए न्याय की लड़ाई -लड़ रहे है और हर वर्ष संगठन के गौ सेवको द्वारा रेडियम बेल्ट अभियान सहित गर्मी के दिनों में हर घर नाद आईये करे शंख नाद अभियान चलाया जाता है। हाल ही में सुबह 7 बजे सूचना मिली कि फॉरेस्ट कालोनी में एक गौ माता मलवा से भरे सेप्टी टैंक में 4 दिनों से गिरी पढ़ी थी।जिस सूचना के आधार पर शिव मारुति युवा संगठन सामतपुर के सदस्यों द्वारा तत्काल मौके पर पहुंच कर कार्यवाही प्रारंभ की गई जिसमें प्रमुख रूप से बृजेश राठौर,प्रदीप सिंह श्याम,सुशील राठौर,विशाल अग्रहरि,अंश गुप्ता सहित संगठन के सभी सदस्य एवं नगर पालिका अनूपपुर सफाई कर्मचारियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।काफी मेहनत करने के बाद जेसीबी मशीन के द्वारा गौ माता को सही सलामत बाहर निकाला गया और यह 3 घंटे का विशेष रेस्क्यू किया गया। इस कड़ी मेहनत और सफलतापूर्वक कार्य के लिए संगठन के अध्यक्ष बृजेश राठौर ने बताया कि शिव मारुति युवा संगठन का यह संकल्प है कि जब तक रहेगा दम तब तक गोवंश की सेवा करते रहेंगे हम इसी उद्देश्य को सफल करने के साथ अपनी टीम शिव मारुति युवा संगठन सामतपुर के सदस्यों और सफाई कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन- सेंट जोसेफ बिजुरी ए टीम बनी विजेता

वॉलीबॉल ग्राउंड में दी जाएगी सारी सुविधाएं और राष्ट्रीय स्तर का प्रतियोगिता भी कराया जाएगा : यशवंत सिंह

वॉलीबॉल के खिलाड़ियों को संसाधनों को नहीं आने दी जाएगी कमी : डॉक्टर सुनील चौरसिया

राजनगर/अनूपपुर। जिले के जिला वॉलीबॉल संघ के मार्गदर्शन में कोयलांचल क्लब द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 9 और 10 नवंबर को न्यु राजनगर के वॉलीबॉल ग्राउंड में किया गया। इस प्रतिष्ठित आयोजन में कुल 12 टीमों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से जयसिंहनगर, उमरिया, जलसार, राजनगर, कोलांचल क्लब, भलमुड़ी, जैतहरी, अनूपपुर, सेंट जोसेफ ए और सेंट जोसेफ बी की टीमें शामिल थीं।

फाइनल मुकाबला और पुरस्कार वितरण

फाइनल मुकाबला सेंट जोसेफ स्कूल ए और कोलांचल क्लब राजनगर के बीच खेला गया, जिसमें सेंट जोसेफ बिजुरी ए की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला सेट 25-23 और दूसरा सेट 25-21 से जीतकर प्रतियोगिता की विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। कोलांचल क्लब राजनगर उपविजेता रही।प्रतियोगिता के अन्य व्यक्तिगत पुरस्कारों में बेस्ट लिफ्टर का खिताब छैय्या को मिला, बेस्ट डिफेंडर सागर रहे, बेस्ट ब्लॉकर का पुरस्कार शुभांश को और बेस्ट स्मैशर सतेन्द्र को मिला। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में आशीष मरावी को सम्मानित किया गया। वहीं बालिका वर्ग में भी सद्भावना मैच का आयोजन किया गया, जिसमें कोयलांचल क्लब सीनियर ने कोयलांचल क्लब जूनियर को हराकर विजय प्राप्त की। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में विजेता टीम को 7,000 रुपए नकद और ट्रॉफी, तथा उपविजेता टीम को 4,000 रुपए नकद और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। बालिका वर्ग की विजेता टीम को ट्रॉफी और मेडल प्रदान किए गए। राष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाली बालिकाओं को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथियों के विचार

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद बनगवा अध्यक्ष यशवंत सिंह, नगर परिषद् डूमर कछार अध्यक्ष सुनील कुमार चौरसिया उपस्थित रहे, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष प्रेमचंद यादव, जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, उपाध्यक्ष रमेश तिवारी,शोभनाथ प्रचेता, फुटबॉल संघ के सचिव नंदलाल यादव, सह सचिव सुमिता शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ने अपने उद्बोधन में जिले के खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना की और बताया कि अनूपपुर जिले के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे हैं। नगर परिषद् बनगवा के अध्यक्ष यशवंत सिंह ने कहा कि वॉलीबॉल ग्राउंड में दी जाएगी सारी सुविधाएं, प्रकाश , अतिक्रमण मुक्त एवं पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से प्रदान की जाएगी और राष्ट्रीय स्तर का प्रतियोगिता भी कराया जाएगा,डूमर कछार के अध्यक्ष सुनील चौरसिया ने कहा कि कोयलांचल क्षेत्र में खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है और जो भी संसाधन की आवश्यकता होगी, उसे पूरा किया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रेमचंद यादव ने कहा कि कोयलांचल क्षेत्र में वॉलीबॉल खेल को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

संरक्षक मंडल और आयोजन की सफलता

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में जिला वॉलीबॉल संघ के संरक्षक लक्ष्मण राव, अरुण कुमार सिंह, आशीष त्रिपाठी, पंकज अग्रवाल,और जिला अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा,कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ शिव सिंह,रामखेलावन राठौर,उपाध्यक्ष विनोद बिंदेश्वरी पांडेय,अमित शुक्ला,शोमनाथ प्रचेता,विनोद सोनी ,रमेश तिवारी, सचिव रामचन्द्र यादव कोषाध्यक्ष प्रदीप यादव सह कोषाध्यक्ष उमेश, स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर सह सचिव दिनेश कुमार सिंह सह सचिव मिथलेश सिंह नेताम,श्रीमती सुमिता शर्मा, हरीशंकर यादव का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। साथ ही सह सचिव राष्ट्रीय ट्रेनर एवं स्टेट रेफरी दिनेश कुमार सिंह, स्टेट रेफरी जितेन्द्र पनिका और वरिष्ठ खिलाड़ी राजेंद्र यादव ने निर्णायक भूमिका निभाई।उदर कुमार, जेपी श्रीवास्तव, राम आश्रय यादव,समय पटेल, पार्षद मनोज चंदेल, बृजेश कुशवाहा, समाज सेवक राजकुमार, निर्णायक के रूप में राष्ट्रीय ट्रेनर स्टेट रेफरी जिला वालीबाल संघ के सहसचिव दिनेश कुमार सिंह चंदेल और स्टेट रेफरी जितेंद्र पनिका और राजेंद्र यादव के साथ जिला वालीवाल संघ के सह सचिव हरिशंकर यादव,राजेश श्रीवास्तव, रामजी बिन्द छाई,अंकित यादव, सागर, रोहित का अमूल योगदान के साथ अंत में जिला वालीवाल संघ के सचिव रामचंद्र यादव के द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ प्रतियोगिता समाप्त हुआ।

छात्राओं ने समझी गणित की पहेली

अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज में विज्ञान विभाग की ओर से गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मातृ ध्यान के साथ किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में विभाग अध्यक्ष डॉ सरिता शर्मा द्वारा डॉ. सत्यपाल सिंह को उत्तरीय उढाकर सम्मानित किया । डॉ. सत्यपाल सिंह ,असिस्टेंट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ मैथमेटिक्स बी एस ए पी.जी. कॉलेज ने मॉडर्न अलजेब्रा पर बहुत रोचक जानकारी छात्राओं को दी। बीजगणित के आधारभूत सिद्धांतों पर उन्होंने अनेक प्रश्नों का समाधान किया। कार्यक्रम के समापन पर विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ सरिता शर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर शैलजा चौधरी, वैशाली गोस्वामी, संजय वर्मा ने अपना सहयोग दिया।

बस हादसे में 24 यात्री घायल, 6 की हालत गंभीर

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

देवरी। एक बस जो करेली से बरेली जा रही थी, अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। इस हादसे में बस में सवार 60 यात्रियों में से 24 घायल हुए, जिनमें 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। देवरी से लगभग 12 किलोमीटर दूर यह दुर्घटना शाम करीब 4 बजे हुई। यात्रियों के अनुसार, चालक ने बस को तेजी से मोड़ा, जिससे बस नियंत्रण खो बैठी और पलट गई। इस हादसे का शिकार होने वाले यात्रियों ने बताया कि समय पर लेट होने के कारण चालक बस को तेज गति से चला रहा था।

घायलों को उपचार

घायलों में से गंभीर रूप से घायल समीर, बाबूलाल, किरण, लाल सिंह, जेवर सिंह, और राम सिंह को रेफर कर दिया गया है, जबकि अन्य का उपचार स्थानीय अस्पताल में जारी है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और चालक के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रावास, उदयपुरा में बिरसा मुंडा जयंती समारोह आयोजित।

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

उदयपुरा। शासकीय सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रावास में आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर छात्रावास के छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर उनके महान जीवन और योगदान को याद किया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन और भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। छात्रावास अधीक्षक श्री बैजनाथ इमने ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज के अधिकारों और संस्कृति की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अपनी अमूल्य भूमिका निभाई। इस अवसर पर छात्रावास के कर्मचारी सत्यनारायण चौकीदार, लोकेश, छात्र नीलेश, विजय, अतुल,मनोहर, हेमंत, रूपसिंह,सहवाग, शुभम सभी छात्र उपस्थित रहे।।

"मैं केवल देह नहीं

मैं जंगल का पुश्तैनी दावेदार हूँ
पुश्तें और उनके दावे मरते नहीं
मैं भी मर नहीं सकता
मुझे कोई भी जंगलों से बेदखल नहीं कर सकता
उलगुलान!
उलगुलान!!
उलगुलान!!!"

यह भगवान बिरसा का उलगुलान ही है जो हर दिन, हर घड़ी हमें अपने अधिकारों की रक्षा करने की शक्ति देता है।

यह धरती आबा का अबुआ दिशोम अबुआ राज ही है जो समस्त मूलनिवासीयो को अपने सम्मान के लिए प्रेरित करता रहता है।

आज उन्हीं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर शत-शत नमन।

!जय जोहार!! जय भीम !

बंटेंगे तो कटेंगे के नारे के साथ आरएसएस ने संभाली महाराष्ट्र में कमान, भाजपा को हरियाणा जैसे रिजल्ट की उम्मीद

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार जारी है। इस चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भाजपा के लिए माहौल बनाने के लिए जमीनी स्तर पर काफी काम कर रहा है। संघ के कार्यकर्ता भाजपा के बटेंगे तो कटेंगे वाले नारे को जन-जन तक पहुंचाने में काफी मेहनत कर रहे हैं। संघ के लोक जागरण मंच के द्वारा लोगों के बीच पंफलेट बांटे जा रहे हैं, जिसमें उनसे अपील की जा रही है कि वे बीते लोकसभा चुनावों के परिणामों से सीख लें और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर भाजपा की अगुवाई वाली गठबंधन को वोट दें।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पंफलेट में लोगों को संविधान, आरक्षण और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के बारे में फैलाई जा रही अफवाहों से सावधान रहने की सलाह दी जा रही है। साथ ही आरएसएस के द्वारा लोगों को यह भी कहा जा है कि ऐसी सरकार को चुनें जो भूमि जिहाद, लव जिहाद, धर्मांतरण, पत्थरबाजी और दंगे को रोकने के लिए काम करे। लोगों को यह भी समझाने की कोशिश की जा रहा है कि कैसे पीएम मोदी ने भारत की छवि को वैश्विक मंच पर सुधारने का काम किया है। वहीं, राहुल गांधी पर भारत को विदेशों में बदनाम करने के आरोप लगाए जा रहा हैं। हालांकि, इस दौरान संघ के स्वयंसेवक मोदी और राहुल में से किसी का नाम नहीं लेते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रचार अभियान तेज, बीजेपी को मिली मदद

लोकसभा चुनावों के बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि उनकी पार्टी अबटी आत्मनिर्भर है और संघ पर पहले जैसी निर्भरता नहीं है। उनके इस बयान के बाद आरएसएस ने अपने हाथ पीछे खींच लिए। इसका खामियाजा भगवा पार्टी को महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में भुगता पड़ा है। हालांकि दोनों ही संगठनों के बीच संबंध सुधरे हैं। अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ फिर से महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में सक्रिय रूप से शामिल हो गया है। संघ के कार्यकर्ता राज्यभर में लगभग 50,000 से 70,000 छोटे-छोटे बैठकें आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। हरियाणा में भी संघ ने 16,000 से अधिक ऐसी बैठकें आयोजित की थीं, जिनके अच्छे परिणाम मिले थे और बीजेपी ने वहां चुनाव में जीत हासिल की थी।

आपको बता दें कि महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जहां आरएसएस की जड़ें गहरी हैं। संघ का मुख्यालय भी यहीं नागपुर में स्थित है। ऋस्र का राज्य में बीजेपी नेताओं देवेंद्र फडणवीस और नितिन गडकरी के साथ भी गहरा संबंध है। हाल ही में फडणवीस ने लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद संघ से मदद मांगी थी। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से यह कहा था कि अगर बीजेपी को पूर्ण बहुमत मिलता है तो वह संविधान को बदल देगी और आरक्षण समाप्त कर देगी। आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने कहा, हम चाहते हैं कि लोग ऐसी अफवाहों और गलत धारणाओं को न मानें। गलतफहमी में मत रहिए। अब लोग ज्यादा समझदार हो गए हैं और नागपुर के विधानसभा क्षेत्रों में वे कम से कम 80 प्रतिशत वोटिंग हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित कर चुके हैं।

10 किमी का बचेगा चक्कर, परी चौक पर जाम से राहत; नोएडा से ग्रेटर नोएडा आने-जाने को मिलेगा एक नया रूट

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा शहर को हिंडन पुल से जोड़ने के लिए सड़क बनाने का काम चल रहा है। इसके काम में जमीन की बाधा दूर हो गई है। दो किसान भाइयों ने आपसी सहमति के आधार पर नोएडा प्राधिकरण के नाम जमीन की रजिस्ट्री कर दी है। इस मार्ग के बनने से नोएडा और ग्रेटर नोएडा आने जाने के लिए एक मार्ग मिल जाएगा।

कुछ साल पहले सेक्टर-146 हिंडन पुल के जरिये नई कनेक्टिविटी देने का निर्णय लिया गया था। यह सीधे सड़क ग्रेटर नोएडा के एलजी गोलचक्कर पर मिलेगी। इसके लिए नोएडा की ओर करीब 800 मीटर सड़क बनाने का काम किया जाना है। इसमें दो कलवर्ट भी बनाए जाने शामिल हैं। इस परियोजना पर करीब 32 करोड़ रुपये का खर्च आना अनुमानित है।

नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि इस सड़क को बनाने के लिए करीब 90 मीटर जमीन नहीं मिलने से अटकाव बना हुआ था। अब यह जमीन प्राधिकरण को मिल गई है। अब तेजी से काम कराया जाएगा। अगस्त 2025 तक इस काम को पूरा किए जाने की डेडलाइन है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच आने-जाने के लिए अभी नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, डीएससी रोड, ग्रेटर नोएडा वेस्ट व बिसरख होते हुए मुख्य रास्ते हैं। इन सभी चारों पर वाहनों का दबाव काफी रहता है। परी चौक पर वाहनों का दबाव कम करने के लिए कुछ साल पहले सेक्टर-146 हिंडन पुल के जरिये नई कनेक्टिविटी देने का निर्णय लिया गया था। इससे परी चौक पर रोजाना जाम की समस्या होगी। लोग यहां काफी देर तक जाम में फंस रहे हैं।

इस सड़क के बनने से नोएडा से ग्रेटर नोएडा के एलजी गोलचक्कर की तरफ आने-जाने में 10 किलोमीटर से अधिक का चक्कर बचेगा। इस सड़क के जरिये लोग नॉलेज पार्क-3 स्थित एजुकेशन हब में भी आसानी से आ-जा सकेंगे।

ग्रेटर नोएडा में 35 रुपए पर बवाल, रईसजादों ने टोलकर्मियों को पीटा; वायरल वीडियो पर पुलिस का ऐक्शन

ग्रेटर नोएडा एजेंसी।
यमुना एक्सप्रेसवे पर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के पास बने टोल बूथ पर गुरुवार रात कार सवार पांच युवकों ने तोड़फोड़ की। विरोध करने पर उन्होंने दो कर्मचारियों को लात-घूंसों और डंडों से पीटकर घायल कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार को जब्त कर लिया। टोल के कंट्रोल रूम इंचार्ज ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ कोतवाली पहुंचकर शुक्रवार को शिकायत की।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के मुताबिक गलगोटिया यूनिवर्सिटी के पास यमुना एक्सप्रेसवे के टोल बूथ पर गुरुवार की रात करीब 11:30 बजे एक पार्टी का झंडा लगी थार गाड़ी पहुंची। एक कर्मचारी ने टोल टैक्स के रूप में 35 रुपये की मांग की, लेकिन थार सवार युवकों ने टोल नहीं दिया और गाड़ी से टक्कर मारकर बूम बैरियर क्षतिग्रस्त कर दिया।

टोलकर्मी के विरोध करने पर आरोपी ने जमकर हंगामा किया और टोलकर्मी सौरभ और विष्णु के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। दोनों कर्मियों ने टोल बूथ के अंदर घुसकर दरवाजा और खिड़कियां बंद कर अपनी जान बचाई। इसके बाद गुस्साए आरोपियों ने वहां रखी कुर्सी को तोड़ दिया। साथ ही, टोल बूथ के दरवाजे और खिड़कियों को तोड़ दिया।

सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन उससे पहले ही आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद थार गाड़ी को नंबर के आधार पर शुक्रवार को जुनेदपुर गांव से जब्त कर लिया है। इस मामले में टोल प्लाजा के कंट्रोल रूम अधिकारी बनवारी सिंह की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पांच अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पति-पत्नी के बीच हो रही थी लड़ाई, शांत कराने पहुंचा जेठ, महिला पर चाकू से किए ताबड़तोड़ वार

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सर्फाबाद गांव में 35 साल की महिला की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप महिला के जेठ पर लगा है। पुलिस ने आरोपी जेठ को गिरफ्तार कर लिया है। दंपति के बीच विवाद के दौरान आरोपी दोनों को शांत कराने पहुंचा था। वारदात के बाद से घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात है।

एसीपी ट्विंकल जैन ने बताया कि सोनिया की शादी दस साल पहले पंकज नाम के व्यक्ति से हुई थी। दोनों वर्तमान में सर्फाबाद में परिवार के साथ रहते थे। सोनिया और पंकज के दो बच्चे हैं। बड़े बेटे की उम्र छह साल और छोटे की करीब तीन साल है। पंकज को आनुवांशिक बीमारी है और उसके हाथ-पैर कांपते हैं। वर्तमान में वह ठीक से चल फिर नहीं पा रहा है। वह अक्सर घर पर ही रहता है और कोई काम नहीं करता। इस कारण सोनिया का अक्सर पंकज से विवाद होता रहता था।

सोनिया और पंकज शुक्रवार को शाम पांच बजे के करीब किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। वह पति पर गुस्सा रही थी, तभी उधर से उसका जेठ राहुल कुमार गुजरा। उसने दोनों को शांत कराने का प्रयास किया। इसी दौरान राहुल ने आवेश में आकर सोनिया के गर्दन और पेट समेत शरीर के अन्य हिस्से में चाकू से वार कर दिया।

6 लेन रोड, 6 जगह एंट्री-एग्जिट; 59 किमी लंबे डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे पर ट्रायल शुरू, पहले दिन सरपट दौड़े वाहन

फरीदाबाद , एजेंसी।
फरीदाबाद में डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे के लिंक रोड को ट्रायल के लिए शुक्रवार को खोल दिया गया है। वाहनों की आवाजाही के लिए खेलते ही सेक्टर-65 से दिल्ली के मीठापुर तक वाहन फर्राटा भरने लगे। चार दिनों तक चलने वाले ट्रायल के दौरान एक्सप्रेसवे की खामियों पर नजर रखी जाएगी। इसके बाद 12 नवंबर को उद्घाटन के बाद इसे पूरी तरह से लोगों की आवाजाही के लिए खोल दिया जाएगा। इससे एक ओर जहां लोगों को जाम की समस्या से निजात मिलेगी। वहीं, लोगों के समय की भी बचत होगी।

दरअसल, फरीदाबाद के साथ नोएडा व गाजियाबाद की दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे से बेहतर कनेक्टिविटी के लिए डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेस वे बनाया जा रहा है। यह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का लिंक रोड है। 59 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे नोएडा में डीएनडी फ्लाईओवर से शुरू होकर कालिंदीकुंज, फरीदाबाद होते हुए सोहना में केएमपी एक्सप्रेस से जुड़ हो रहा है। यहां पर रोड दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे में भी जुड़ रहा है। इस सड़क को तीन हिस्सों में बनाया जा रहा है। फरीदाबाद में सेक्टर-65 से सोहना तक के 26 किलोमीटर हिस्से को पिछले साल ट्रैफिक के लिए खोला जा चुका है। अब सेक्टर-65 से दिल्ली में मीठापुर तक का 24 किलोमीटर हिस्सा भी तैयार है। इस पर शुक्रवार से ट्रायल के रूप में ट्रैफिक शुरू कर दिया गया है।

कालिंदी कुंज से डीएनडी तक चार माह में पूरा होगा काम : मीठापुर से आगे नौ किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड बनाया जाना है, जो कालिंदी कुंज होते हुए डीएनडी फ्लाईओवर से जुड़ेगा। इस हिस्से में एलिवेटेड फ्लाईओवर बनाने का काम तेजी से जारी है। फरीदाबाद बॉर्डर से लगते कालिंदीकुज के पास पिलर खड़े कर दिए गए हैं। कुछ जगह यू गर्डर रखने का काम चल रहा है। एनएचएआई अधिकारियों का दावा है कि बचे कार्य को चार से पांच माह में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद दिल्ली में एक्सप्रेसवे को शुरू कर दिया जाएगा। बल्लभगढ़ के सेक्टर-65 से दिल्ली में मीठापुर तक करीब 24 किलोमीटर सड़क तैयार है। मीठापुर से सेक्टर-37 के पास तक रोड आगरा नहर के साथ आ रहा है। सेक्टर-37 के पास आगरा और गुरुग्राम नहर को पार कर लिंक रोड बाईपास रोड से जुड़ा है। बाईपास रोड को एक्सप्रेसवे के रूप में विकसित किया गया है।

टैटू के शौक में एड्स जैसे रोगों की शिकार बन रहीं महिलाएं; गाजियाबाद के महिला अस्पताल का दावा

गाजियाबाद , एजेंसी।
टैटू बनवाने के शौक में महिलाएं एचआईवी और एड्स जैसी लाइलाज बीमारियों से ग्रस्त हो रही हैं। इसका खुलासा गाजियाबाद के महिला अस्पताल में प्रसव पूर्व जांच और काउंसलिंग के बाद हुआ है। पिछले चार सालों में 68 एचआईवी गर्भवतियों के प्रसव हुए। इनमें से प्रतिवर्ष चार से पांच मामले ऐसे रहे, जिनसे काउंसलिंग में टैटू की सुई से एचआईवी और हेपेटाइटिस के ट्रांसफ्यूजन की बात सामने आई है।

गाजियाबाद के जिला महिला अस्पताल में प्रतिवर्ष पांच से छह हजार गर्भवतियों के प्रसव किए जाते हैं। इसके लिए लगभग सभी महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की जाती है। चार साल के आंकड़ों पर गौर करें तो अस्पताल में 68 एचआईवी महिलाओं के प्रसव कराए गए, जबकि 485 गर्भवतियों की स्क्रीनिंग में हेपेटाइटिस की पुष्टि हुई। इन सभी महिलाओं का अस्पताल में सुरक्षित प्रसव कराया गया। नवजात में बीमारी का ट्रांसफ्यूजन न हो, इसके लिए प्रसव से पहले ही गर्भवती का इलाज शुरू किया गया और शिशु को स्तनपान से दूर रखा गया। बता दें कि ह्यूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस यानी एचआईवी और हेपेटाइटिस ऐसी बीमारी जो ट्रांसफ्यूजन से फैलती हैं। एचआईवी दूषित रक्त के संपर्क में आने, संक्रमित इंजेक्शन साझा करने से भी फैलता है। यह स्तनपान से मां से बच्चे में फैल सकता है। अस्पताल की एचआईवी काउंसलर उमा सिंह का कहना है एचआईवी पॉजिटिव गर्भवतियों की काउंसलिंग के बाद हर साल चार से पांच मामले ऐसे सामने आए जिन्होंने सड़क के किनारे टैटू बनवाया था, जो एक ही निडिल से कई लोगों के टैटू बनाते हैं। अस्पताल की पैथोलॉजिस्ट डॉ. शैफाली अग्रवाल ने बताया कि टैटू मेकर को प्रत्येक टैटू के लिए अलग निडिल की उपयोग करना चाहिए। टैटू बनाने में 0.3 प्रतिशत संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। यदि सुई किसी संक्रमित के खून के संपर्क में आई है तो इससे दूसरे व्यक्ति में ट्रासफ्यूजन का खतरा बना रहता है। डॉ. अलका शर्मा, सीएमएस, महिला अस्पताल ने कहा, एचआईवी और हेपेटाइटिस से ग्रसित गर्भवतियों के प्रसव के दौरान अस्पताल में बेहद सावधानी बरती जाती है।

पंजाब एवं हरियाणा में अब 4 साल से बड़े बच्चे को हेलमेट पहनना जरूरी, हाई कोर्ट का आदेश

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में अब 4 साल से ज्यादा उम्र के सभी बाइक सवारों को हेलमेट पहनना होगा। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल की बेंच ने 29 अक्टूबर 2024 को इस मामले में आदेश दिए थे। इसी मामले पर आज फिर सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने कहा कि हेलमेट केंद्र सरकार के मानकों के अनुरूप होना चाहिए ताकि यह सिर की सुरक्षा कर सके। सिर्फ वे सिख महिला-पुरुष जिन्होंने पगड़ी पहनी हो उन्हें ही हेलमेट पहनने से छूट दी गई है। हाईकोर्ट ने हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ पुलिस से बिना हेलमेट टू-व्हीलर चलाने वाले पुरुष और महिला सवारों के चालान की जानकारी भी मांगी है। अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी।

छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए नए नियम बनाए सरकार: पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि 4 साल से बड़े हर व्यक्ति को हेलमेट पहनना होगा, चाहे वह टू-व्हीलर चला रहे हों या पीछे बैठे हों। इस नियम में बच्चे भी शामिल हैं। यह नियम हर तरह की बाइक पर लागू होगा। हालांकि, अगर कोई सिख व्यक्ति पगड़ी पहनकर बाइक चला रहा हो या उस पर बैठा हो तो उस पर यह नियम लागू नहीं होगा। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को चार साल से छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष नियम बनाने का भी आदेश दिया है।

हेलमेट के उपयोग महज खानापूर्ति न हो: हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि हेलमेट केवल सिर पर रख ही काफी नहीं है, उसे सिर से अच्छे से बांधा जाना चाहिए ताकि वह पूरी तरह से सुरक्षा प्रदान कर सके। हेलमेट को मानकों के अनुरूप बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित स्टेंडर्ड का पालन करना जरूरी होगी। हेलमेट का उपयोग महज खानापूर्ति न हो, सरकार इस बात को सुनि?श्चित करे। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ पुलिस को आदेश दिया गया है कि बिना हेलमेट चलाने वाली महिलाओं और पीछे बैठे सवारों का चालान किया जाए। बिना हेलमेट टू-व्हीलर पर सवारी करने वाले सभी लोगों पर यह नियम सख्ती से लागू होगा, चाहे वह बाइक चला रहे हों या केवल पीछे बैठे हों। हाईकोर्ट ने इस फैसले के जरिए बच्चों के लिए भी सुरक्षा उपायों की मांग की है। हाईकोर्ट ने सुझाव दिया है कि 4 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए भी विशेष सुरक्षा उपकरण उपलब्ध होने चाहिए।

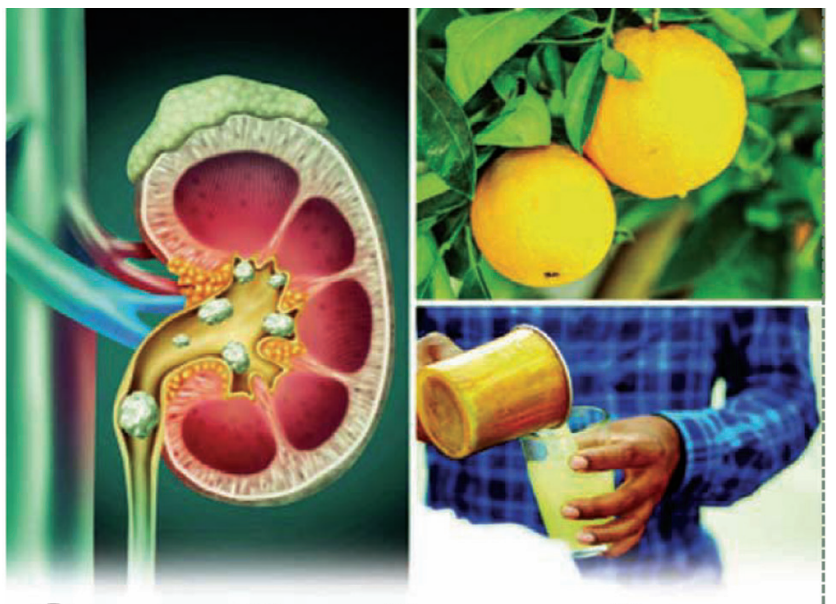

किडनी की पथरी का जोखिम बढ़ा सकते हैं हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापा

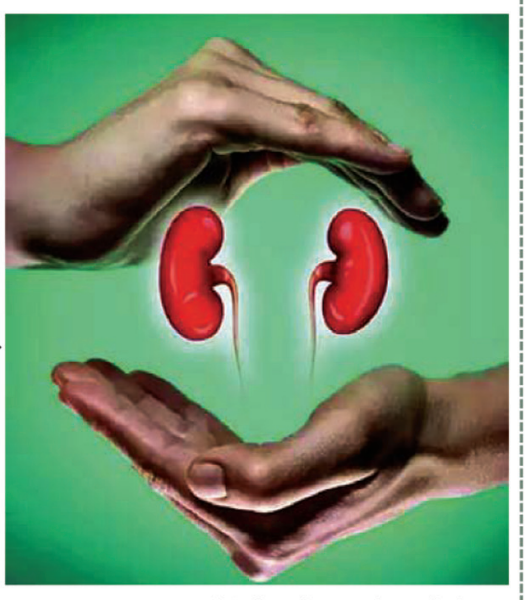

किडनी में पथरी होना एक आम समस्या है जिससे बहुत से लोग परेशान रहते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, दस में से एक व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी किडनी की पथरी होती ही है। किडनी की पथरी का खतरा पुरुषों में लगभग 11% और महिलाओं में 9% है। अन्य रोग जैसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापा किडनी की पथरी के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

किडनी की पथरी के लक्षण क्या हैं?

किडनी में पथरी होने के सामान्य लक्षणों में पीठ के निचले हिस्से में तेज दर्द, पेशाब में खून आना, मतली, उल्टी, बुखार, ठंड लगना, पेशाब में बदबू आना या बादल जैसा दिखना आदि शामिल हैं। किडनी की पथरी बनने के कारण यह हैं कि पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीना, व्यायाम (बहुत अधिक या बहुत कम), मोटापा, वजन घटाने की सर्जरी, या बहुत अधिक नमक या चीनी वाला भोजन करना आदि।

किडनी की पथरी का इलाज क्या है?

किडनी में बनने वाली पथरी छोटी या बड़ी हो सकती हैं। आमतौर छोटी पथरी पेशाब के रास्ते निकल जाती है। कई बार यह नहीं निकल पाती और इसका साइज भी बड़ा होने लगता है। कई बार बड़ी पथरी दवाओं से टूटकर निकल जाती है लेकिन कई बार आपको ऑपरेशन की जरूरत हो सकती है।

पथरी का आयुर्वेदिक इलाज

मेडिकल इलाज या सर्जरी के अलावा किडनी की पथरी को बाहर निकालने या गलाने के लिए कई घरेलू उपाय भी मौजूद हैं। जिसमें एक सबसे शक्तिशाली उपाय बिजौरा नींबू भी है जिसे बड़ा नींबू भी कहते हैं। आयुर्वेदिक डॉक्टर मिहिर खत्री बता रहे हैं कि पथरी की बड़ी से पथरी से राहत पाने के लिए यह बड़ा नींबू किस तरह आपकी मदद कर सकता है।

बड़ा नींबू है पथरी का इलाज

बाजार में अक्सर छोटे नींबू मिलते हैं जिनका सभी लोग इस्तेमाल करते हैं। एक बड़ा नींबू भी होता है जिसे आम भाषा में बड़ा नींबू या बिजौरा नींबू कहा जाता है। इसका आकार छोटे नींबू की तरह गोल नहीं होता है। यह देखने में करेले की तरह लगता है और इसका रंग पीला या हरा होता है। इसके बीज में थोड़े बड़े होते हैं।

डॉक्टर के अनुसार, अगर अप किडनी की पथरी से जूझ रहे हैं, तो आप उससे राहत पाने के लिए बड़े नींबू का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप रोजाना सुबह खाली पेट 20ml बड़े नींबू का रस पीना चाहिए। आपको 3-4 सप्ताह से ज्यादा इसका सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अधिक सेवन से पित्ती की समस्या हो सकती है।

कुलथी दाल भी है पावरफुल उपाय

किडनी की पथरी से राहत पाने के लिए आप कुलथी दाल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। डॉक्टर के अनुसार, इसके लिए आप दो चम्मच डाल को दो कप पानी में रात भर भिगोकर रख दें और सुबह उबालकर खाएं।

किडनी पथरी का इलाज है जौ का पानी

किडनी स्टोन के मरीजों के लिए जौ एक बढ़िया अनाज है। समस्या से राहत पाने के लिए जौ का पानी सबसे असरदार उपाय साबित हो सकता है। इसके लिए दो गिलास पानी में दो चम्मच जौ डालकर रातभर भिगोने के लिए छोड़ दें। अगली सुबह इसे दस मिनट तक उबालें और फिर छान कर पी लें।

किडनी स्टोन के लिए अन्य टिप्स

रोजाना खूब पानी पिएं और पतली दाल का सेवन करें। आप सब्जियों का सूप बना सकते हैं और दिन में एक बार पी सकते हैं। इनके अलावा पेशाब और मल को देर तक न रोकें। ज्यादा नमक खाने से बचें और शराब से दूर रहें।

कई स्वास्थ्य संबंधी जोखिम दे सकता है ज्यादा चाय पीना

अधिकांश लोगों के दिन की शुरुआत एक कप चाय के साथ होती है। वहीं अगर दिन भर काम करते हुए सुस्ती आने लगे तो भी लोग चाय पीकर फ्रेश फील करते हैं। शाम के पकौड़े और स्नैक्स तो चाय के बिना अधूरे हैं। पर क्या आप जानती हैं कि ज्यादा चाय पीना आपको कई स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी दे सकता है। अगर आप भी ज्यादा चाय पीने की आदी हैं, तो हम इसे छोड़ने में आपकी मदद करने के लिए यहां हैं।

कितनी चाय है ज्यादा चाय

विशेषज्ञ मानते हैं कि चाय का कम मात्रा में सेवन स्वस्थ है। जबकि ज्यादा चाय पीना शराब पीने या धूम्रपान करने की ही तरह आपके स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालता है। यह एंग्जायटी, सिरदर्द, पाचन संबंधी समस्याएं और नींद के पैटर्न में बाधा जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अधिकांश लोग बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के प्रतिदिन 3-4 कप (710-950 मिली ग्राम) चाय पी सकते हैं। लेकिन कुछ को कम मात्रा में भी दुष्प्रभाव हो सकता है। चाय पीने से जुड़े दुष्प्रभाव इसमें मौजूद कैफीन और टैनिन सामग्री से संबंधित हैं।

नींद में कमी

चूंकि चाय में स्वाभाविक रूप से कैफीन होता है, इसलिए अत्यधिक चाय पीने से आपकी नींद का पैटर्न प्रभावित होता है। मेलाटोनिन एक हार्मोन है जो आपके मस्तिष्क को संकेत देता है कि ये सोने का समय है। एनसीबीआई के शोध से पता चला है कि कैफीन मेलाटोनिन उत्पादन को रोकता है, जिसके परिणामस्वरूप नींद की कमी की सम्भावना बढ़ती है। अपर्याप्त नींद कई तरह की मानसिक समस्याओं से जुड़ी होती है, जैसे थकान और बिगड़ी हुई स्मृति। नींद की कमी आपके वजन को भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ा देती है।

गर्भावस्था संबंधी समस्याएं

गर्भावस्था के दौरान चाय जैसे पेय पदार्थों में मौजूद कैफीन के उच्च स्तर से गर्भपात और जन्म के समय शिशु के कम वजन का खतरा बढ़ सकता है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट का एक शोध चाय की मात्रा 200-मिलीग्राम के निशान से अधिक नहीं होने की सलाह देते हैं। कुछ महिलाएं गर्भावस्था के दौरान कैफीन से बचने के लिए नियमित चाय के स्थान पर कैफीन मुक्त हर्बल चाय पीना पसंद करती हैं। हालांकि, सभी हर्बल चाय गर्भावस्था के दौरान उपयोग करने के लिए सुरक्षित नहीं हैं। उदाहरण के लिए, काली कोहोश या नद्यपान युक्त हर्बल चाय समय से पहले प्रसव पीड़ा को प्रेरित कर सकती है और इससे बचा जाना चाहिए। यदि आप गर्भवती हैं और अपने कैफीन या हर्बल चाय के सेवन के बारे में चिंतित हैं, तो अपने डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सिरदर्द

रुक-रुक कर कैफीन का सेवन कुछ प्रकार के सिरदर्द से राहत दिलाने में मदद तो करता है। पर जब ज्यादा मात्रा में चाय का सेवन किया जाए, तो इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। चाय के रूप में कैफीन का नियमित सेवन बार-बार होने वाले सिरदर्द में योगदान कर सकता है। यदि आपको बार-बार सिरदर्द होता है और आपको लगता है कि वे आपके चाय के सेवन से संबंधित हो सकते हैं, तो ये देखने के लिए कि क्या आपके लक्षणों में सुधार होता है, इस पेय को अपने आहार से कम करने या समाप्त करने का प्रयास करें। कुछ शोध से पता चलता है कि प्रतिदिन कम से कम 100 मिलीग्राम कैफीन सिरदर्द में योगदान देती है।

कैफीन की लत लगना

कैफीन एक आदत बनाने वाला उत्तेजक है, और चाय या किसी अन्य स्रोत से नियमित सेवन से आप इस पर निर्भर हो सकती है। कैफीन छोड़ने के लक्षणों में सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, हृदय गति में वृद्धि और थकान शामिल होते हैं। एनसीबीआई के एक शोध से पता चला है कि कैफीन की निर्भरता 3 दिनों के लगातार सेवन के बाद शुरू हो जाती है।

5.चिंता, तनाव और बेचैनी का बढ़ना

चाय की पत्तियों में प्राकृतिक रूप से कैफीन होता है। चाय, या किसी अन्य स्रोत से कैफीन का अधिक सेवन चिंता, तनाव और बेचैनी की भावनाओं में योगदान करता है। एक औसत कप (240 मिली) चाय में लगभग 11-61 मिलीग्राम कैफीन होता है, जो विविधता और पकाने की विधि पर निर्भर करता है। जितनी देर आप अपनी चाय को भिगोते हैं, इसकी कैफीन सामग्री उतनी ही अधिक होती है।

चाय छोड़ने के आसान उपाय

यदि आप देखते हैं कि आपकी चाय की आदत आपको चिड़चिड़ापन या घबराहट महसूस करवा रही है, तो यह एक संकेत हो सकता है कि अब आपको अपनी चाय पीने की आदत को कंट्रोल करने की जरूरत है।

धीरे-धीरे कम करें

एकदम से चाय छोड़ने के बजाय प्रतिदिन की खपत में से आधा कप कम करती जाएं। आप सप्ताह भर में ही इसके बेहतर परिणाम देख पाएंगी। एकदम से चाय बिल्कुल बंद करने की कोशिश आपको विदड्रॉल सिम्पटम्स की ओर धकेल सकती है।

पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ पिएं

एनसीबीआई के शोध के अनुसार, अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रहने के लिए कैफीनयुक्त पेय को उतनी ही मात्रा में गैर-कैफीनयुक्त पेय पदार्थों से बदलें। ये आपके सिर दर्द, थकान, या चाय की लालसा में चक्कर आने के जोखिम को कम कर सकता है।

पर्याप्त नींद लें

जब आप चाय छोड़ने की कोशिश करती हैं, तो आप थकान, फोकस की कमी या खराब याददाश्त के लक्षणों का सामना कर सकती हैं। इनसे बचने के लिए आपको पर्याप्त नींद लेने की सलाह दी जाती है। ज्यादातर महिलाएं ज्यादा काम करने या देर रात जागने के लिए भी चाय का सहारा लेती हैं। इसकी बजाए चाय को कम करें और अपने शरीर को जरूरी आराम दें।

हर्बल चाय

आप कैफीन मुक्त हर्बल चाय चुनने पर भी विचार कर सकते हैं। हर्बल चाय को सच्ची चाय नहीं माना जाता है क्योंकि वे कैमेलिया साइनेंसिस संयंत्र से प्राप्त नहीं होती हैं। यह विभिन्न प्रकार के कैफीन मुक्त अवयवों से बनी होती हैं, जैसे फूल, जड़ी-बूटियां और फल।

शेयर बाजार में भूचाल

डेढ़ महीने में निवेशकों को 47.5 लाख करोड़ का भारी नुकसान

बिजनेस डेस्क: भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला आज भी जारी रहा। गुरुवार (14 नवंबर) को सेंसेक्स 110 अंक टूटकर 77,580 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 26 अंक फिसलकर 23,532 के लेवल पर बंद हुआ। कल बुधवार को सेंसेक्स 984 अंक यानी 1.25त्न टूटकर 77,691 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 352 अंक यानी 1.36त्न फिसलकर 23,559 के लेवल पर बंद हुआ। सबसे अधिक 3त्न की गिरावट माइक्रोकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में आई। मिडकैप इंडेक्स 2.5त्न फिसलकर बंद हुआ। इससे बुधवार को निवेशकों के 8 लाख करोड़ रुपए साफ हो गए। 26 सितंबर के हाई से अब तक निवेशकों के ?47.5 लाख करोड़ डूब गए। निफ्टी के 17 प्रमुख सेक्टर इंडेक्स में से 11 इस समय %करेक्शन% मोड में हैं। एनर्जी, ऑटो, पीएसयू, ऑयल, कंजम्पशन व एफएमसीजी सेक्टरों ने ज्यादा नुकसान झेला है। इंडेक्स में निफ्टी 50, निफ्टी 500, मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स भी करेक्शन मोड में आ गया है और सितंबर 2024 के हाई से 10त्न से अधिक गिर चुका है।

गिरावट के बड़े कारण

महंगाई बढ़ी: अक्टूबर में महंगाई दर 6.21त्न पर पहुंच गई जो 14 महीने में सबसे अधिक है। इससे दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को झटका लगा।

मजबूत डॉलर: 10 वर्षीय बॉन्ड अमरीकी बॉन्ड के यील्ड में उछाल और डॉलर के चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचने से विदेशी निवेशकों की बिकवाली को और बढ़ावा मिला।

खराब नतीजे: कंपनियों के सितंबर तिमाही के नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे।

विदेशी बिकवाली: भारत से विदेशी निवेशक लगातार पैसा निकलकर चीन के शेयर बाजार में लगा रहे हैं। 27 सितंबर से अब तक भारत से 1.51 लाख करोड़ निकाले।

मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में मिडल क्लास को राहत

बिजनेस डेस्क: मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल के दौरान मध्यम वर्ग यानी 20 लाख रुपए सालाना से कम आय वाले व्यक्तियों पर कर का बोझ घटा है। वहीं दूसरी तरफ 50 लाख रुपए से ऊपर की सालाना आय वाले लोगों द्वारा भुगतान किए जाने वाले करों में अच्छी-खासी वृद्धि हुई है। फाइनैंस मिनिस्ट्री के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि मोदी शासन में मिडल क्लास पर ज्यादा टैक्स लगने की बात सही नहीं है। दाखिल किए गए आयकर रिटर्न (आईटीआर) के आंकड़ों के अनुसार, 50 लाख रुपए से अधिक की वार्षिक आय दिखाने वाले व्यक्तियों की संख्या 2023-24 में बढ़कर 9.39 लाख से अधिक हो गई जो 2013-14 में 1.85 लाख थी। साथ ही 50 लाख रुपए से अधिक कमाने वालों की आयकर देनदारी 3.2 गुना बढ़कर 2024 में 9.62 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जो 2014 में 2.52 लाख करोड़ रुपए थी।

50 लाख रुपए कमाने वाले तेजी से बढ़े

सूत्र ने कहा कि आयकर का 76 प्रतिशत हिस्सा सालाना 50 लाख रुपए से अधिक कमाने वालों से आता है। कुल मिलाकर इससे मध्यम वर्ग पर कर का बोझ कम हुआ है। आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले 50 लाख रुपए से अधिक की वार्षिक आय वाले व्यक्तियों की संख्या बढ़ी है। इसका कारण 'मोदी सरकार की कर चोरी रोकने और काले धन पर लगाम लगाने के लिए संबंधित अधिनियमों को कड़ाई से लागू करना है।'

इनपर घट गया टैक्स का बोझ

सूत्र ने कहा कि 2014 में दो लाख रुपए सालाना से अधिक कमाने वाले व्यक्तियों को आयकर देना पड़ता था। हालांकि, मोदी सरकार में घोषित विभिन्न छूटों और कटौतियों के कारण अब सात लाख रुपए तक की आय वाले व्यक्तियों को कोई कर नहीं देना पड़ता है। दस लाख रुपए से कम आय वाले करदाताओं से आयकर संग्रह का प्रतिशत घटकर 2024 में 6.22 प्रतिशत पर आ गया जो 2014 में 10.17 प्रतिशत था।

त्योहारों में जमकर दौड़ी गाड़ियां, सरकार ने ई-टोल कलेक्शन से वसूले 6,115 करोड़

बिजनेस डेस्क: सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार त्योहारी महीने के दौरान भारत में इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज हुई। आर्थिक गतिविधियों में तेजी के कारण इस साल अक्टूबर में देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन बढ़कर रिकॉर्ड 6,114.92 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

ये हैं आकड़े

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2021 में इलेक्ट्रॉनिक टोल डेटा का कलेक्शन शुरू होने के बाद से यह किसी महीने में अब तक का सबसे अधिक कलेक्शन है और पिछले छह महीनों के मासिक औसत 5,681.46 करोड़ रुपए से 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में देश में कुल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन 34,088.77 करोड़ रुए रहा, जो एक साल पहले 31,026.64 करोड़ रुपए से 9.8 प्रतिशत अधिक है। टोल कलेक्शन में वृद्धि को देश भर में माल के परिवहन के लिए ई-वे बिल जनरेशन पर वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) के आंकड़ों से भी समर्थन मिला है, जो अक्टूबर के दौरान 11.7 करोड़ के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। ई-वे बिलों में वृद्धि आर्थिक गतिविधि में वृद्धि को दर्शाती है क्योंकि त्योहारी सीजन के दौरान अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी आती है। ई-वे बिलों में वृद्धि का तेजी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था पर पड़ता है और राजस्व भी बढ़ता है। इससे सरकार के हाथ में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर निवेश करने और गरीबों का उत्थान करने संबंधी संसाधन उपलब्ध होते हैं। अक्टूबर में भारत का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो 2017 में जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद से दूसरा सबसे अधिक मासिक राजस्व है। यह आंकड़ा पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और सितंबर में 1.73 लाख करोड़ रुपए के संग्रह के शीर्ष पर है, जो साल-दर-साल 6.5त्न बढ़ा था।

देश की कुल 453 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी 46 प्रतिशतः MNRE

नई दिल्लीः ऊर्जा के क्षेत्र में भारत तेजी से अपने कदम को आगे बढ़ा रहा है और नए-नए टारगेट को अचीव करने की कोशिश कर रहा है। इसी में एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि देश की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 452.69 गीगावाट में अक्षय ऊर्जा का योगदान 46 प्रतिशत है। देश की कुल अक्षय ऊर्जा क्षमता 200 गीगावाट (गीगावाट) को पार कर गई है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने कहा कि भारत की आरई क्षमता केवल एक वर्ष में 24.2 गीगावाट (13.5 प्रतिशत) बढ़कर अक्टूबर 2024 में 203.18 गीगावाट तक पहुंच गई। एमएनआरई ने कहा, ÷नवीकरणीय ऊर्जा अब कुल क्षमता का 46.3 प्रतिशत से अधिक है।÷ इसने कहा कि भारत की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 452.69 गीगावाट तक पहुंच गई है। परमाणु क्षमता के साथ, भारत की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता 2023 में 186.46 गीगावाट की तुलना में 211.36 गीगावाट थी। कुल 203 गीगावाट में से सौर ऊर्जा 92.12 गीगावाट, पवन ऊर्जा 47.72 गीगावाट, बड़ी पनबिजली परियोजनाएं 46.93 गीगावाट और छोटी पनबिजली परियोजनाएं 5.07 गीगावाट उत्पादन करेंगी। बायोमास और बायोगैस ऊर्जा सहित बायोपावर, नवीकरणीय ऊर्जा मिश्रण में 11.32 गीगावाट अतिरिक्त जोड़ता है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)